ग्रामीण विकास ट्रस्ट प्रतापगढ़

अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस पर **"लिंग समानता द्वारा महिला सशक्तिकरण""** पर महिला सम्मेलन का आयोजन

दिनांक – 8 मार्च 2019 **स्थान – कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रतापगढ़**

दिनांक 8 मार्च 2019 शुक्रवार मे ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा एच डी एफ सी बैक के सी एस आर परियोजना के अन्तर्गत अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य मे महिला सम्मेलन का आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र प्रतापगढ मे किया गया जिसका ध्येय " **लिंग समानता द्वारा महिला सशक्तिकरण** " हैं। इस कार्यक्रम कुल 16 गांवो की 570 महिला ने भाग लिया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री श्यामसिह राजपुरोहित जिला कलक्टर महोदय प्रतापगढ ने की ।

कार्यशाला का उद्देश्य–

1. समानता द्वारा महिला सशक्तिकरण को बड़ावा देना ।
2. महिलाओ को उनकी कार्यक्षमता के प्रति जागरूक करना।
3. महिलाओ को उनके अधिकारो के प्रति जागरूक करना।
4. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की विचारधारा पर प्रबल जोर देना।

कार्यशाला की शुरूआत 8 मार्च 2019 शुक्रवार को प्रातः 10 बजे पंजीकरण कर सभी महिलाओ के बेच लगाकर की गई उसके बाद ग्रामीण विकास ट्रस्ट राजस्थान के क्षैत्रिय परियोजना प्रबन्धक डॉ. राजेश शर्मा द्वारा 16 गांवो की ग्राम विकास समिति के सदस्य गणो ,महिलाओ ,जीवीटी परिवार के सभी कर्मचारी एवं अधिकारियो एवं बाहर से पधारे सभी अतिथिगणो का स्वागत एवं अभिनन्दन शब्दो के माध्यम से किया गया। तथा मुख्य अतिथियो को पगड़ी जो कि मेवाड़ धरा की शान हैं को पहना कर पुष्प गुच्छ हाथ मे देकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया। उसके बाद श्रीमति उषा शर्मा दिशा समिति बांसवाडा , श्री संजय गिल प्रिसिपल ए पी सी कालेज एवं श्री राजेश शर्मा मुख्य प्रबन्धक जयपुर द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन कर सरस्वती वन्दना के द्वारा की गई ।

- कार्यक्रम के प्रथम चरण में मुख्य प्रबन्धक डॉ.राजेश शर्मा द्वारा मचं पर विराजमान सभी अतिथिगणो का परिचय करवाया गया एंव ग्रामीण विकास ट्रस्ट के विकास के बारे मे विस्तार से जानकारी दी उन्होने बताया कि ग्रामीण विकास ट्रस्ट एक गैर लाभकारी संस्था हैं उन्होने संस्था के लक्ष्य , विजन एवं मिशन के बारे मे भी बताया । उन्होने कहा कि संस्था ग्रामीण क्षेत्र मे गरीब एवं सीमांत किसानो के समग्र विकास पर कार्य कर रही हैं तथा उनकी आजिविका मे किस प्रकार से सुधार किया जा सके इस पर उन्होने प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि संस्था कृषि कार्य के साथ साथ शिक्षा, स्वास्थ्य , युवाओ को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण , सरकारी योजनाओ की पहुच, एवं सरकार के साथ समन्वय आदि कार्यो मे ग्रमीणो को सहयोग

प्रदान करती हैं। उन्होने समानता द्वारा महिला सशक्तिकरण को बड़ावा किस प्रकार दिया जा सकता हैं के बारे मे विस्तार से उदाहरण देकर बताया। ।

- कार्यक्रम के द्वितीय चरण मे श्री श्यामसिह राजपुरोहित जिला कलक्टर महोदय प्रतापगढ ने कार्यक्रम के सन्दर्भ मे बताते हुंए कहा कि महिला पुरुषो से अधिक क्षमतावान होती है वह बुद्वि मे दो गुना , कार्यक्षमता मे 4 गुना एव सहनशीलता मे 6 गुना होती है । महिलाओ का दर्जा पुरुषो से कही उपर है । महिलाओ की बराबरी पुरुष कभी नही कर सकते है । साथ ही जिलाधिश महोदय ने कहा कि यत्र नारस्तु पुजतः रमेतु तत्र देवता (जहा नारी का सम्मान होता है वहा देवता निवास करते है) की विचारधरा पर विस्तार से चर्चा की।उन्होने महिला साहस एवं हिम्मत के बारे उनके विभाग मे कार्यरत कर्मचारी श्रीमति रामकन्या देवी का उदाहरण देकर बताया। वे श्रीमति रामकन्या देवी को अपनी गाडी मे बिठाकर कार्यक्रम मे लाए और कहा कि रामकन्या देवी के पति की मृत्यु हो जाने के बाद भी उसने 2 लडकियो को पढाया लिखाया परिवार के काफी दबाव के बाद भी उसने दुसरी शादी नही की । ससुराल पक्ष से इसे भगाने के कई प्रयास किए गए लेकिन उसने हिम्मत नही हारी इसी प्रकार से सभी महिलाओ को कभी भी समस्याओ से घबराना नही चाहिए का सन्देश श्री श्यामसिह राजपुरोहित जिला कलक्टर महोदय प्रतापगढ द्वारा दिया गया

- कार्यक्रम के अगले चरण मे डॉ. योगेष कनोजिया मुख्य वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र ने अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस को क्यो मनाया जाता हैं तथा इसकी उत्पति कहा से हुई एवं इसके मनाने के क्या कारण रहे के बारे मे बताया।

- इसके बाद ए.पी.सी. की प्राचार्या श्रीमती आरती जैन द्वारा महिलाओ की भूमिका एवं महिला को सशक्तिकरण कैसे किया जाय के बारे मे बताया एवं सभी महिलाओ को महिला शिक्षा पर "एक बेटी पढ़ेगी सात पीड़ी तरेगी " की तर्ज पर व्याख्यान दिया एवं उनके व्यक्तिव्य विकास एवं सकारात्मक सोच को किस प्रकार से विकसित किया जावे आदि के बारे मे मोटिवेशनल स्टोरी के माध्यम से विस्तार से बताया।

- इस कार्यक्रम द्वौरान प्रतापगढ़ विधायक श्री रामलाल मीणा ने सरकार की योजनाओ के बारे मे बताया। एवं उन्होने बेटी जन्म पर सरकार द्वारा दी जाने वाली राजश्री योजना के अर्न्तगत वित्तिय सहायता के बारे मे विस्तार से चर्चा की।

- श्रीमति उषा शर्मा दिशा समिति बांसवाडा ने स्वयं सहायता समूह एव ग्रामीण विकास समूह/समिति ,महिला मण्डल एवं किसान क्लब के बारे मे विस्तार से समझाया । उन्होने स्वयं सहायता समूह के पचसूत्र के बारे मे जिसमे निरन्तर बैठक, निरन्तर बचत करना , आपसी लेनदेन , लिए गए लोन को वापस चुकाना तथा समूह का रिकोर्ड संन्धारण के बारे मे बताया । उन्होने बताया कि ''स्वयं सहायता समूह ऐसी महिलाओं का समूह होता है जिनकी समस्याएं एक समान होती है जिन्हे वे अकेले नही सुलझा पाते है उन्हे सुलझाने के लिए मिलजुल कर कार्य करने का निश्चय करती है।'' उन्होने यह भी बताया कि स्वयं सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं के समरूप समूह है जो अपनी आय मे से सब सदस्यों की सहमति से निर्धारित की गई छोटी राशियों की बचत के लिए स्वैच्छिक रूप से गठित किये जाते है। इसमे समूह की सामान्य निधि (कार्पस फंड़) निर्मित होती है इस राशि का उपयोग सदस्यों का उत्पादन व आकस्मिक ऋण आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए किया जाता है।उन्होने बताया कि स्वयं सहायता समूह ऐसे व्यक्तियों का समूह होता है। जिनकी समस्याएं एक समान होती है जिन्हे वे अकेले नही सुलझा सकते है और उन्हे सुलझाने के लिए वे मिल जुल कर कार्य करने का निश्चय करते है। भिन्न–भिन्न स्थानों पर इनको अलग–अलग नामों से

जाना जाता है जैसे– समूह, संघ, मण्ड़ल आदि। उन्होने बताया कि एक समूह मे 10 से 15 सदस्य होते है जो आपसी सामजस्य से अध्यक्ष कोषाध्याक्ष एवं सचिव का चयन करते है जिनके हस्ताक्षर से समूह का खाता बैंक मे खोला जाता हैं जिससे सरकारी योजनाओ का समय समय पर लाभ उठाया जाता हैं। उन्होने राजस्थान कौशल एवं आजिविका विकास निगम द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु चलाए गए कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्रो के बारे मे विस्तार से बताया।

- कार्यक्रम के अगले चरण मे डॉ.राजेश कुमार शर्मा प्राचार्या ,पटवा ऐजुकेशन ऑफ अकेडमी,नीमच के द्वारा महिला महिलाओ को उनकी कार्यक्षमता एवं उनके विभिन्न कौशल के बारे मे तथा महिलाओ को उनके अधिकारो के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होने ग्रामीण क्षेत्र मे व्याप्त एंव प्रचलित बुरे रितिरिवाजो जेसे बाल विवाह , मृत्यु भोज बहु विवाह एवं पर्दा प्रथा आदि पर सभी उपस्थित महिलाओ को विस्तार से बताया।

- कार्यक्रम के अगले चरण मे श्री जगन्नाथ सोलंकी के द्वारा महिलाओ के उत्थान हेतु महिला अधिकार एवं सरकार द्वारा चलाई गयी योजनाओ के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होने महिलाओ के अधिकारो के बारे मे एवं उनको समूह से जोडकर किस प्रकार से उनकी आमदनी को बड़ा सकते हैं तथा स्वरोजगार हेतु कोन कोनसी योजनाए है आदि के बारे मे विस्तार से चर्चा की।

- डॉ. सजंय गिल प्राचार्य ए.पी.सी. कॉलेज के कर कमलो द्वारा वभिन्न समितियो के कर्मठ कार्यकर्ताओ को प्रषस्ति पत्र व पुरूष्कार वितरण करवाया गया साथ ही कलक्टर महोदय एवं माननीय विधयाक महोदय द्वारा वभिन्न गतिविधियो मे वितरित की जाने वाली सामग्री का वितरण किया गया जिसमे सिरोही नस्ल की 18 बकरिया व 6 सिरोही नस्ल के बकरे, 2 स्प्रिंकलर, 10 सब्जी किट व वर्मी कम्पोस्ट पिट का वितरण लाभर्थियो को किया गया ।

- इस कार्यक्रम मे विभिन्न संस्थाओ के 5 स्टॉल लगाए गए जिसके द्वारा सभी आगन्तुक महिलाओ के ज्ञान मे वृदि हेतू बताया गया।

- इस कार्यक्रम मे बडोदा बैंक से श्रीमति अनिता शर्मा के द्वारा रोजगार एवं स्वरोजगार हेतु चलाए गए कौशल विकास प्रशिक्षण एवं बैंक से किस प्रकार से मदद ली जाय आदि के बारे मे विस्तार से बताया।

- इस कार्यक्रम मे बांसवाड़ा के सांस्कृतिक कार्यक्रम दल बंशीलाल व टीम ने नाटक व संगीत के माध्यम से महिला जागरूकता सम्बधित विभिन्न विषयो मे प्रस्तुति दी जिससे समारोह मे 570 महिला ने सांस्कृतिक मनोरजंन का लुत्फ उठाया ।

  इस समारोह के अन्त मे आदिवासी लोकनृत्य घेर द्वारा महिलाओ ने आंनन्द उठाया।

  कार्यक्रम के अन्त मे जीवीटी परिवार ने सभी अधिकारी, अतिथियों , कर्मचारियो एवं महिलाओ का धन्यवाद ज्ञापित कर महिला सम्मेलन की समाप्ति की घोषणा की।

कार्यक्रम की झलकिया

पजींकरण एवं सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्जवलन

महिला कार्यक्रम मे पधारे अतिथियो का स्वागत करते हुए

मचांसीन अतिथिगण एवं कलक्टर महोदय द्वारा कार्यक्रम मे सम्बोधन

सांस्कृतिक कार्यक्रम की झलक

कार्यक्रम मे महिलाओ की भागीदारी , माननीय विधायक द्वारा बकरी यूनिट देते हुए

कलक्टर महोदय द्वारा महिलाओ को बकरी पालन गतिविधि का लाभ देते हुए

अतिथिगणो द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओ को सम्मानित करते हुए

मिडिया कवरेज